प्रेस विज्ञप्ति

आज पटना विश्वविद्यालय के व्हीलर सीनेट हाउस में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व० लाल बहादुर शाश्त्री जी की जयंती मनाई गयी | इस समारोह का आयोजन गाँधी जी के 150वें जयंती के कारण विशेष रूप से किया गया था | इस अवसर पर भारत सरकार के सांस्कृतिक विभाग के पूर्व सलाहकार एवं गाँधी विचारक प्रो० रामेश्वर मिश्र पंकज मुख्य वक्ता के रूप में तथा पटना उच्च न्यालय के पूर्व न्यायधीश एवं चाणक्य नेशनल लॉ विश्वविद्यालय के कुलपति श्रीमती मृदुला मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी | अध्यक्षता पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रास बिहारी प्रसाद सिंह ने किया | इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य वक्ता श्री रामेश्वर मिश्र ने गाँधी जी के विचारों की प्रासंगिकता का उल्लेख करते हुए उसे जीवन में उतारने की सलाह दी | इन्होने कहा कि गांधीजी सर्व धर्म समभाव के प्रतीक थे और उन्होंने जिस त्याग का परिचय दिया वह आज के राजनीतिक जीवन से काफी दूर हो गया है जिस पर आज गंभीर चिंतन की जरुरत है | उन्होंने अपने वक्तव्य में गाँधी जी को एक सफल भंगी तथा क्षत्रिय की भूमिका का निर्वाह करने वाला व्यक्ति बताया | उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि एक सफल भंगी के रूप में वे देश को न केवल अंग्रेजी दास्ताँ जैसी गन्दगी से मुक्त कराया बल्कि छुया-छुत, भेद-भाव, जात-पात जैसी सामाजिक गन्दगी को भी दूर करने का प्रयास किया | उन्होंनेस्पष्ट रूप से कहा कि सत्य, अहिंसा, सहिष्णुता तथा स्वावलंबन के प्रतीक महात्मा गाँधी के चरित्र आज भी सबों के लिए अनुकरणीय है लेकिन उनको वास्तविक रूप में कार्यान्वित करने का प्रयास सफल नहीं हो पाया है जिसके लिए विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान मंदिर को प्रयास करना चाहिये | इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती मृदुला मिश्रा ने गांधीजी के विभिन्न विचारों से लोगों को अवगत कराया तथा कहा कि वह एक परिवार के सफल पिता भले न हुए लेकिन सम्पूर्ण राष्ट्र के पिता होने का उन्हें गौरव प्राप्त हुआ | इसे जीवन में समझने और अपनाने की जरुरत हैं | उनहोंने गाँधी को गाँधी बनाने में कस्तूरबा गाँधी के योगदान एवं त्याग की चर्चा की | उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी एक व्यक्ति नहीं वह जीवन दर्शन है जिसे जीवन में उतारने की जरुरत है | वह मनसा, बचसा तथा कर्मना के साक्षात् प्रतीक थे |

माननीय कुलपति ने अपने अध्यक्षीय भाषण से पूर्व महिला विकास निगम, समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा प्रेषित संकल्प के रूप में सबों को शपथ दिलाया |

इस अवसर पर सबों को स्वच्छ रहने, गन्दगी न फैलाने , बाल विवाह न करने तथा लोगों को इसके लिए उत्प्रेरित करने का शपथ दिलाया |

उन्होंने इस अवसर पर वर्ष भर गाँधी जयंती के इस विशेष वर्ष में कई कार्यक्रम को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करने की चर्चा की | उन्होंने चंपारण सत्याग्रह का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार उनके कर्म का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है | गरीबी तथा छुया-छुत को मिटाने का तथा किसानो को हक़ दिलाने का जो उन्होंने अथक प्रयास किया वह निश्चित रूप से आज के राजनेताओं के लिए एक संदेश है | उन्होंने आगे कहा कि आज देश में गाँधीजी के आर्थिक विचार धारा को अपनाने की जरुरत है जो एक गाँव को स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा | नई तालीम तथा बुनियादी शिक्षा के बारे में गाँधीजी के विचार आज भी समाज और सरकार के लिए उतना ही प्रासंगिक है | उन्होंने कहा कि गाँधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री एक ही विचार के मूल पोषक थे |

स्वागत भाषण प्रति-कुलपति प्रो० डॉली सिन्हा तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने किया | इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, पदाधिकारी, छात्र एवं आमंत्रित अतिथि मौजूद थे |